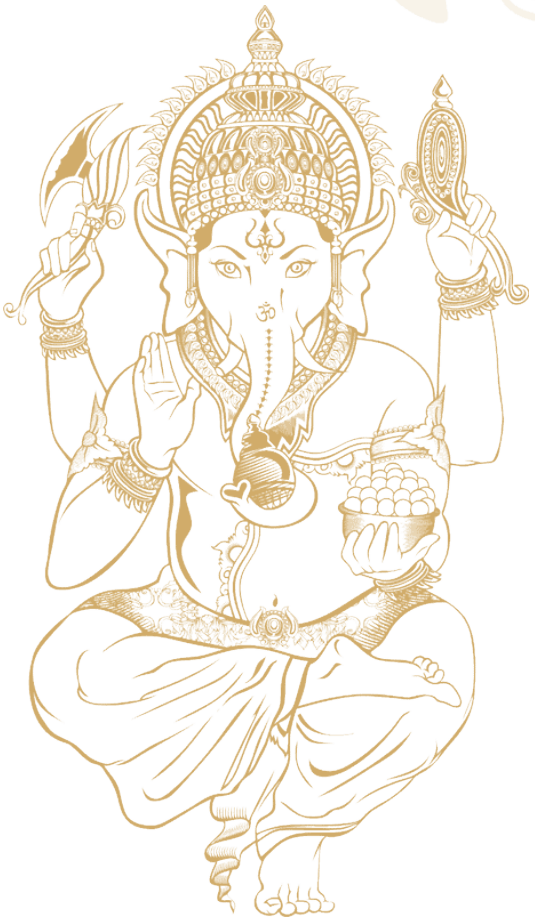

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/01/2026	जन्म तिथि	27/01/2026
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 13:28:00	जन्म समय	13:28:00 घंटे
घटी 15:39:52	जन्म समय(घटी)	15:39:52 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:03	सूर्योदय	07:12:03
17:56:01	सूर्यास्त	17:56:01
24:13:23	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:23

विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 4मा 16दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 4मा 16दि सूर्य	
27/01/2026		13:22:45	वृष	लग्न	वृष	13:22:45	27/01/2026	
15/06/2031		13:09:41	मक	सूर्य	मक	13:09:41	15/06/2031	
	27/01/2026	28:02:47	मेष	चंद्र	मेष	28:02:47		27/01/2026
चन्द्र	03/04/2026	08:51:18	मक	मंगल	मक	08:51:18	चन्द्र	03/04/2026
मंगल	08/08/2026	17:04:30	मक	बुध	मक	17:04:30	मंगल	08/08/2026
राहु	03/07/2027	23:40:43	मिथु व	गुरु व	मिथु	23:40:43	राहु	03/07/2027
गुरु	20/04/2028	18:05:42	मक	शुक्र	मक	18:05:42	गुरु	20/04/2028
शनि	02/04/2029	03:58:09	मीन	शनि	मीन	03:58:09	शनि	02/04/2029
बुध	07/02/2030	15:10:54	कुंभ व	राहु व	कुंभ	15:10:54	बुध	07/02/2030
केतु	15/06/2030	15:10:54	सिंह व	केतु व	सिंह	15:10:54	केतु	15/06/2030
शुक्र	15/06/2031	03:15:46	वृष व	हर्ष व	वृष	03:15:46	शुक्र	15/06/2031
		05:47:32	मीन	नेप	मीन	05:47:32		
		09:19:29	मक	प्लूटो	मक	09:19:29		

लग्न-चलित

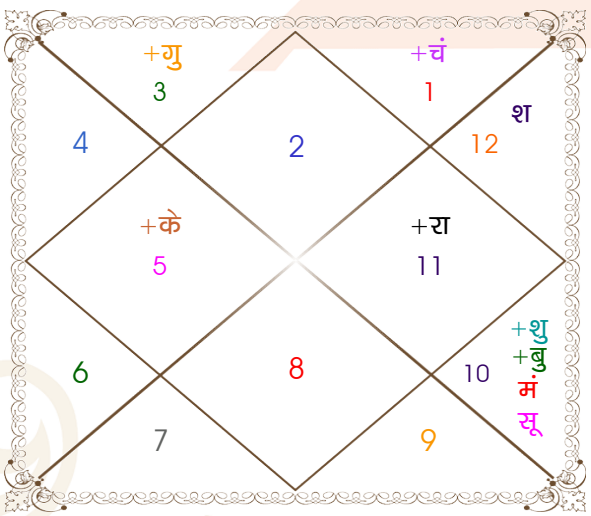

लग्न-चलित

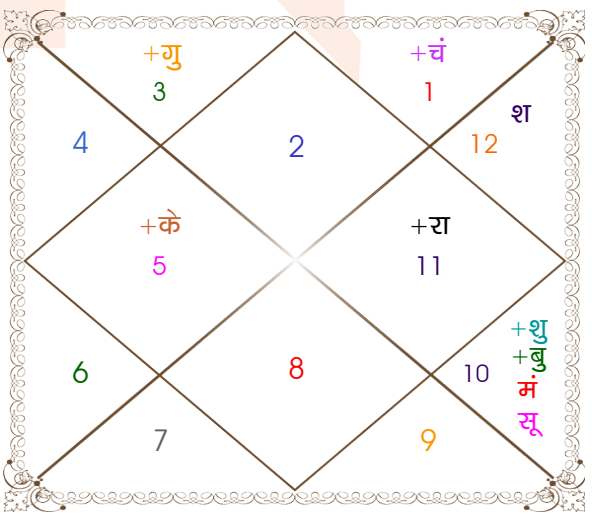

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मेष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।